ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल

सीपत रोड, बहतराई, बिलासपुर (छ.ग.)

वार्षिक परीक्षा - 2018-19

कक्षा - नवमी

विषय - हिन्दी

समय–3:00 घंटे **अंक–80**

दिनांक–27.02.2019 **दिन–बुधवार**

सामान्य निर्देश

(1) सभी उत्तर उत्तरपुस्तिका में ही लिखें।
(2) प्रश्न पत्र में अपने अनुक्रमांक (रोल नं.) के अतिरिक्त और कुछ ना लिखें।
(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
(4) मात्राओं की त्रुटि पर अंक काटे जाऐंगे।
(5) इस प्रश्न – पत्र के चार खंड हैं – क, ख, ग और घ।
(6) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड – क (अपठित बोध)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 8

जहाँ पर भी दो नदियाँ आकर मिल जाती हैं, उस स्थान को अपने देश में तीर्थ कहने का रिवाज़ है और यह केवल रिवाज़ की बात नहीं है; हम सचमुच मानते हैं कि अलग-अलग नदियों में स्नान करने से जितना पुण्य होता है उससे कहीं अधिक पुण्य संगम स्नान में है। किंतु, भारत आज जिस दौर से गुजर रहा है उसमें असली संगम वे स्थान, वे सभाएँ तथा वे मंच हैं, जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं। नदियों की विशेषता यह है कि वे अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ, अनेक जनपदों के आँसू और उल्लास लिए चलती हैं और उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना जनपदों के मिलन का ही प्रतीक है। यही हाल भाषाओं का भी है। उनके भीतर भी नाना जनपदों में बसने वाली जनता के आँसू और उमंगें, भाव और विचार, आशाएँ और शंकाएँ समाहित होती हैं। अतः जहाँ भाषाओं का मिलन होता है वहाँ वास्तव में विभिन्न जनपदों के हृदय ही मिलते हैं, उनके भावों और विचारों का ही मिलन होता है तथा भिन्नताओं में छिपी हुई एकता वहाँ कुछ अधिक प्रत्यक्ष हो उठती है। इस दृष्टि से भाषाओं के संगम आज सबसे बड़े तीर्थ हैं और इन तीर्थों में जो भी भारतवासी श्रद्धा से स्नान करता है, वह भारतीय एकता का सबसे बड़ा सिपाही और संत है।

हमारी भाषाएँ जितनी ही तेजी से जागृत होंगी, हमारे विभिन्न प्रदेशों का पारस्परिक ज्ञान उतना ही बढ़ता जाएगा। भारतीय लेखकों की बहुत दिनों से यह आकांक्षा रही थी कि वे केवल अपनी ही भाषा में प्रसिद्ध होकर न रह जाएँ, बल्कि भारत की अन्य भाषाओं में भी उनके नाम पहुँचें और उनकी कृतियों की चर्चा हो। भाषाओं के जागरण के आरंभ होते ही एक प्रकार का अखिल भारतीय मंच अपने-आप प्रकट होने लगा है। आज प्रत्येक भाषा के भीतर यह जानने की इच्छा उत्पन्न हो गई है कि भारत की अन्य भाषाओं में क्या हो रहा है, उनमें कौन-कौन ऐसे लेखक हैं जिनकी कृतियाँ उल्लेखनीय हैं तथा कौन सी विचारधारा वहाँ प्रभुसत्ता प्राप्त कर रही है।

(क) लेखक ने आधुनिक संगम स्थल किसको माना है और क्यों? 2
(ख) भाषा-संगमों में भारत की किन-किन विशेषताओं का संगम होता है? 2
(ग) लेखक ने सबसे बड़ा सिपाही और संत किसको कहा है? 1
(घ) अलग-अलग प्रदेशों में आपसी ज्ञान किस प्रकार बढ़ सकता है? 2
(ङ) स्वराज्य-प्राप्ति के उपरांत विभिन्न भाषाओं के लेखकों में क्या जिज्ञासा उत्पन्न हुई? 1

प्रश्न 2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 7

अब न गहरी नींद में तुम सो सकोगे,
गीत गाकर मैं जगाने आ रहा हूँ।

Brilliant Public School Bilaspur C.G. www.brilliantbsp.com

अतल अस्ताचल तुम्हें जाने न दूँगा,
अरुण उदयाचल सजाने आ रहा हूँ।
कल्पना में आज तक उड़ते रहे तुम,
साधना से सिहरकर मुड़ते रहे तुम।
अब तुम्हें आकाश में उड़ने न दूँगा,
तुम्हें धरती पर बसाने आ रहा हूँ।

देखकर मँझधार को घबरा न जाना,
हाथ ले पतवार को घबरा न जाना।
अब किनारे पर तुम्हें थकने न दूँगा,
पार मैं तुमको लगाने आ रहा हूँ।

तुम उठो, धरती उठे, नभ सिर उठाए
तुम चलो गति में नई गति झनझनाए।
विपथ होकर मैं तुम्हें मुड़ने न दूँगा,
प्रगति के पथ पर बढ़ाने आ रहा हूँ।

(क) उदयाचल और अस्ताचल से क्या अभिप्राय है? इनका संबंध किन दिशाओं से है? 2

(ख) 'आकाश में उड़ना' का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) काव्यांश में कवि क्या आग्रह कर रहा है? 1

(घ) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि क्या व्यक्त करना चाहता है? 1

(ङ) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

खंड – ख (व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए– **4**

(क) 'गतिमान' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'सत्' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाइए।

(ग) 'दैहिक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

(घ) 'दार' प्रत्यय से एक शब्द बनाइए।

प्रश्न 4. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए–3

(क) तिरंगा, (ख) दुरात्मा, (ग) अष्टाध्यायी

प्रश्न 5. (i) अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को पहचान कर उनके भेद लिखिए। 2

(क) पटना बिहार की राजधानी है।

(ख) यदि समय रहते सावधान हो जाते तो चोरी नहीं होती।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। 2

(क) सूखा ने सब कुछ तबाह कर दिया। (विस्मयादिवाचक)

(ख) वह जाएगा। (संदेहवाचक)

Brilliant Public School Bilaspur C.G.
www.brilliantbsp.com

प्रश्न 6. निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर उनके नाम लिखिए। 4

(क) भगवान! भक्तों की भयंकर भूरि भीति भगाइए।

(ख) मुख मयंक सम मंगू मनोहर।

(ग) पद्म रागों से अधर मानो बने मोतियों से दाँत निर्मित हैं घने।

(घ) भाषा भाव भेष भोजन में भारतीयता का अभियान।

खंड–ग (पाठ्य-पुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

(क) ''बच्चे काम पर जा रहे हैं'' नामक कविता में समाज की किस कुरीति की ओर संकेत किया गया है? स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) ब्रजभूमि के प्रति कवि रसखान का प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है? 2

(ग) कवि देवताले को यमराज के घर का पता जानने की उत्सुकता क्यों हुई थी? स्पष्ट कीजिए। 2

(घ) 'कैदी और कोकिला' कविता के कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है? 2

प्रश्न 8. झूठ की बुनियाद पर बने रिश्ते कितने स्थायी हो सकते हैं? पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए तथा बताइए कि विवशता में भी झूठ क्यों नहीं बोलना चाहिए? 'रीढ़ की हड्डी' के आधार पर लिखिए। 4

अथवा

'सच अकेलेपन का मजा ही कुछ और है'—इस कथन के आधार पर लेखिका की बहन एवं लेखिका के व्यक्तित्व के बारे में अपने विचार लिखिए।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 2+2+1=5

रात को जब बालिका रोटियाँ खिलाकर चली गई, दोनों रस्सियाँ चबाने लगे, पर मोटी रस्सी मुँह में न आती थी। बेचारे बार-बार जोर लगाकर रह जाते थे। सहसा घर का द्वार खुला और वही लड़की निकली। दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे। दोनों की पूँछें खड़ी हो गईं। उसने उनके माथे सहलाए और बोली—खोले देती हूँ। चुपके से भाग जाओ, नहीं तो यहाँ लोग मार डालेंगे। आज घर में सलाह हो रही है कि इनकी नाकों में नाथ डाल दी जाए।

उसने गराँव खोल दिया, पर दोनों चुपचाप खड़े रहे।

मोती ने अपनी भाषा में पूछा—अब चलते क्यों नहीं?

हीरा ने कहा—चलें तो लेकिन कल इस अनाथ पर आफत आएगी। सब इसी पर संदेह करेंगे। सहसा बालिका चिल्लाई—दोनों फूफावाले बैल भागे जा रहे हैं। ओ दादा! दादा! दोनों बैल भागे जा रहे हैं, जल्दी दौड़ो।

(क) रात को रोटी खाने के पश्चात् दोनों बैल रस्सियाँ क्यों चबा रहे थे? बैलों को काबू में रखने के लिए गया के घर में क्या सलाह हो रही थी? 2

(ख) लड़की ने रात में घर से बाहर आकर बैलों से क्या कहा? बंधनमुक्त होकर भी वे दोनों चुपचाप खड़े थे। क्यों? 2

(ग) 'गराँव' से क्या अभिप्राय है? 1

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– 2+2+1=5

देख आया चंद्र गहना।
देखता हूँ दृश्य अब मैं
मेड़ पर इस खेत की बैठा अकेला।
एक बीते के बराबर
यह हरा ठिगना चना,
बाँधे मुरैठा शीश पर
छोटे गुलाबी फूल का,
सज कर खड़ा है।
पास ही मिल कर उगी है
बीच में अलसी हठीली
देह की पतली, कमर की है लचीली,

Brilliant Public School Bilaspur C.G. www.brilliantbsp.com